जर्मनी की ट्रक ड्राइवर पहली बार भाग लेगी

नई दिल्ली, (सजवान) : भारत के जाने माने एफ-1 रेस ट्रैक-द बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के चौथे सीजन की ट्रक रेसिंग में सबसे बड़ी आकर्षण जर्मनी की स्टेफनी हाम रहेंगी। 19 मार्च को होने वाली रेसिंग में 11 अन्य विदेशी पुरुष ड्राइवरों के बीच स्टेफनी अलग चेहरा होंगी। यूरोपियन ट्रक रेसिंग के दिग्गज ड्राइवरों के अलावा भारत के 20 ड्राईवर भी भाग ले रहे हैं।

टाटा मोट्र्स के सीजन चार में जर्मनी, हंगरी, चैक गणराज्य और फ्रांस के ड्राइवरों के जलवे देखने लायक होंगे। लेकिन ट्रक रेसिंग के चहेतों के लिए बड़ी खबर यह है कि भारत के दस-दस ड्राइवर क्रमश: सुपर क्लास और चैंपियन क्लास में उतरेंगे।

सुपर क्लास में हरियाणा के हरीश, उत्तर प्रदेश के गुरजंत सिंह, महेन्द्र प्रताप, पीतांबर, शिव निहाल सिंह, राजस्थान के मुबारिक, मोहब्बत सिंह, पंजाब के धर्मेन्द्र सिंह और विक्रमजीत सिंह तथा चैंपियंस क्लास में बिहार के मोहम्मद परवेज, रविन्द्र यादव, उत्तर प्रदेश के मलकीत सिंह, हरियाणा के जगत सिंह, झारखंड के विकास महातो, शंकर सिंह, आंध्र प्रदेश के नागार्जुन, राजस्थान के भागचंद और राजू लाल गुर्जर तथा पंजाब के गोविन्द सिंह ने अंतिम रेस के लिए टिकट पाया है। सुपर क्लास में सबसे छोटी उम्र के ड्राइवर राजस्थान के मुबारिक और पंजाब के धर्मेन्द्र हैं, जो कि 25 साल के हैं। सबसे बड़ी उम्र के शिव निहाल यूपी से हैं। चैंपियन क्लास में 28 साल के विकास सबसे छोटे और 44 साल के शंकर सिंह सबसे बड़े हैं। इनमें से ज्यादातर ड्राईवर पिछले सीजन में भाग ले चुके हैं।

भाग लेने वाले ड्राइवरों के अनुसार टाटा ट्रक रेसिंग ने उनका जीवन बदल दिया है। अब उन्हें आवारा और अनुशासनहीन नहीं कहा जाता है। अब उन्हें रेसर या चैंपियन के नाम से पुकारा जाता है। आयोजकों के अनुसार ट्रक रेसिंग ने भारत में एफ वन की कमी की भरपाई की है।

ट्रक रेसिंग

- भारत के 10 ड्राइवर सुपर क्लास और 10 ड्राइवर चैम्पियन क्लास में उतरेंगे
- एफ-1 की कमी को दूर करने की कोशिश है ट्रक रेसिंग